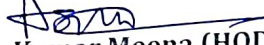


**केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः**  
(सांख्ययोगविद्याशाखा)  
**शास्त्रिद्वितीयवर्षस्य पाठ्यक्रमः**

| कक्षा                 | सत्रार्धम्       | पत्रसङ्केतः | पाठ्यक्रमविवरणम्   | क्रेडिट | यूनिट  | होरा  |
|-----------------------|------------------|-------------|--|---------|--|-------|
| शास्त्रिद्वितीयवर्षम् | चतुर्थ           | GE4         | आधारग्रन्थः- योसूत्रम् (साधनपादः)  |         |  |       |
|                       |                  |             | प्रस्तावना- दर्शनेषु सांख्ययोगदर्शनं सातिशयेन च प्रथते इति विद्याशाखां तच्छास्त्राध्ययनावसरं लभते इत्यस्मात् हेतोः सांख्ययोगदर्शनं छात्राणां समाजस्य च महदुपकाराय कल्पते ।   |         |  |       |
|                       |                  |             | उद्देश्यम् – योगसिद्धान्तानां परिचयप्रदानपूर्वकं यथार्थज्ञानप्रदानम्।<br>योगसाधनानां वैशिष्ट्यं महत्त्वं उपादेयताञ्च विज्ञापनम्।<br>योगसिद्धान्तानां प्रायोगिकज्ञानप्रदानम्। |         |  |       |
| शास्त्रिद्वितीयवर्षम् | चतुर्थसत्रार्धम् | GE4         | 1. क्रियायोगः-पञ्चक्लेशाः, कर्माशयः वासनाः   | 1       | 1  | 16-20 |
|                       |                  |             | 2. हेयं-हेयहेतुः-हानं-हानोपायश्च, दृश्यस्वरूपम्, गुणपर्वाणि  | 1       | 1  | 16-20 |
|                       |                  |             | 3. द्रष्टास्वरूपम्, संयोगः, यमनियमौ महाव्रतम्, प्रतिपक्षभावनाश्च।  | 1       | 1  | 16-20 |
|                       |                  |             | 4. आसन-प्राणायामप्रत्याहारश्च। योगाङ्गानुष्ठानस्य पलञ्चा   | 1       | 1  | 16-20 |
|                       |                  |             |  |         | फलितांशः – योगदर्शनसतय अध्ययनेन छात्रेषु योगसाधनानां ज्ञानं भविष्यति।<br>सङ्गति – योगदर्शनं भारतीयदर्शनेषु अतीव पुरातनं अस्ति । तत्र योगदर्शनं व्यवहारिकं पक्षमुपस्थपयति । |       |
|                       |                  |             | बोधनप्रक्रिया- व्याख्यात्मकविधिः, विवरणात्मकविधिश्च  |         |  |       |
|                       |                  |             | सहायकसन्दर्भग्रन्थाः-  |         |  |       |
|                       |                  |             | योगदर्शनम् चौखम्भाप्रकाशन वाराणसी  |         |  |       |
|                       |                  |             | प्रश्नपत्रप्रारूपम्- प्रश्नपत्रे खण्डत्रयं भवति । प्रथमखण्डे अतिलघूत्तरीयः द्वितीयखण्डे लघूत्तरीयः तृतीयखण्डे दीर्घोत्तरीयश्च ।  |         |  |       |


|   |
|---|
| परीक्षाप्रणाली - सत्रार्द्धपरीक्षा  |
| मूल्यांकनप्रक्रिया- मूल्यांकनप्रक्रिया द्विधा वर्तते, आन्तरिकमूल्यांकनं बाह्यमूल्यांकनञ्च |
| परीक्षामाध्यमः- संस्कृतम्   |
| निर्धारितपाठ्यक्रमः- योसूत्रम् (साधनपादः)   |

**Board of Studies**  
(Department of Sankhyayoga)

  
Dr. Ashok Kumar Meena (HOD) (Chairman)

Prof. Mahesh Prasad (External Expert)

Dr. (Smt). Jyothi (External Expert),

Dr. Bikasini Gumansingh (Syllabus Creator) 

Dr. Sukanti Barik (Convener) 

Miss. Umarani Pattnayak (Students Representative)